प्रेरणा
जिंदगी में हम कितने सही और कितने गलत है, ये सिर्फ दो ही शख़्स जानते है।

सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 12 JANUARY TO 18 JANUARY 2024 • VOLUME 25 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

देश में पंजाब बनेगा हीरो, लोकसभा चुनाव में इस बार 13-0 : मुख्यमंत्री

सुखबीर के मानहानि केस का किया स्वागत; इससे बादलों के पंजाब विरोधी रूख को बेनकाब करने का मौका मिला

• जालंधर ब्रीज. संगरूर

शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल की तरफ से दायर मानहानि के मुकदमे का स्वागत करते हुये मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे उनको बादल परिवार के पंजाब विरोधी पैंतरे और बुरे कामों का पर्दाफाश करने का एक और मौका मिलेगा। यहाँ 14 लाइब्रेरियां लोगों को समर्पित करने के बाद इक्ट्ठ को संबोधन करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस केस की रोज़मर्रा सुनवाई के लिए विनती करेंगे जिससे लोगों को बादलों के पापों संबंधी अवगत करवाया जा सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बादलों की पंजाब के साथ की गद्दारी के इनाम के तौर पर हरियाणा ने उनके फार्म हाऊस तक नहर का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं राज्य की तरक्की में रुकावट डाल कर बादलों ने होटल, ट्रांसपोर्ट और अन्य कारोबार बढ़ाए, जिसके बारे लोगों को विस्तार के साथ बताया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुखबीर अपनी जायदाद बचाने के लिए केस लड़ रहे हैं, जबकि वह लोगों को बचाने के लिए अदालत जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह बादल परिवार की उन सभी करतूतों के बारे दुनिया को बताऐंगे, जिनके कारण राज्य अलग-अलग क्षेत्रों में पिछड़ गया है। उन्होंने कहा कि बादल परिवार के हाथ पंजाब और पंजाबियों के ख़ून से रंगे हुए हैं, उन्होंने कहा कि राज्य के लोग उनके गुनाहों को कभी भी माफ नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग दावा करते थे कि वह 25 साल शासन करेंगे, उनको

लोगों ने पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि यह नेता अपने 25 विधायकों का चयन भी नहीं करवा सके क्योंकि इनको लोगों ने नकार दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन अहंकारी नेताओं को लोगों ने बाहर का दरवाज़ा दिखा कर राजनैतिक गुमनामी में भेज दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान राजनैतिक नेताओं के कोटे ने आम आदमी के हित निगल लिए थे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पद संभालने के बाद उन्होंने ऐसे सभी राजनैतिक कोटों को ख़त्म करके आम आदमी के सशक्तिकरण के नये युग की शुरुआत करने को मुख्य प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य मंतव्य लोगों की भलाई और तरक्की और आम आदमी का व्यापक विकास यकीनी बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिवायती पार्टियाँ उनसे ईर्ष्या करती हैं क्योंकि वह एक आम परिवार से सम्बन्धित हैं और लोगों की भलाई यकीनी बनाने के लिए अथक मेहनत कर रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन नेताओं को हमेशा यह विश्वास था कि उनके पास राज करने का ईश्वरीय अधिकार है, जिस कारण उनको यह बात हज़म नहीं हो रही कि एक आम आदमी राज्य को बढ़िया तरीके साथ चला रहा है। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने लम्बा समय लोगों को मूर्ख बनाया परन्तु अब लोग इनके भ्रामक प्रचार से बाज नहीं आऐंगे। मुख्यमंत्री ने भविष्यवाणी की कि लोग इन पार्टियों के भ्रष्ट नेताओं से इतने ऊब चुके हैं कि आने वाले लोक सभा मतदान के दौरान राज्य की सभी सीटों पर हमें पूर्ण बहुमत जीत दिलाऐंगे। उन्होंने कहा कि लोग आने वाले आम मतदान में राज्य की सभी 13 सीटों उनको जीताने का मन बना चुके हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आने वाले लोग सभा मतदान 13-0 के आंकड़ो से जीतूंगा, जबकि बाकी पार्टियों के खाते भी नहीं खुलेंगे।

सीएम ने शहीद जसपाल सिंह के परिवार को एक करोड़ रुपए का चैक सौंपा

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान गुरूवार को ड्यूटी के दौरान शहीदी प्राप्त करने वाले हवलदार जसपाल सिंह के घर पहुँचे और उनके परिवार को शहीद के सम्मान के तौर पर एक करोड़ रुपए का चैक सौंपा। शहीद हवलदार जसपाल सिंह, जो 9 महार रेजीमेंट में तैनात थे, की शहादत पर गहरे दुख का प्रगटावा करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि देश सेवा के दौरान अपनी जान गंवाने वाले शहीद का देश हमेशा कर्ज़दार रहेगा। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए और परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है और इसकी भरपायी किसी भी कीमत पर नहीं की जा सकती परन्तु सरकार ने शहीद के सम्मान के लिए विनम्र सा प्रयास किया है। भगवंत सिंह मान ने ज़ोर देकर कहा कि शहीद केवल एक परिवार या राज्य का नहीं, बल्कि समूची कौम का होता है।

मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधिमंडल से मिले पीएम मोदी, अजमेर शरीफ दरगाह के लिए चादर भेंट की

जयपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुस्लिम समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की और एक चादर पेश की जिसे अजमेर शरीफ दरगाह में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के दौरान रखा जाएगा। मोदी ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। हमारी बातचीत के दौरान, मैंने पवित्र चादर पेश की जिसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के दौरान प्रतिष्ठित अजमेर शरीफ दरगाह पर रखा जाएगा। मोदी द्वारा साझा की गई तस्वीरों में प्रधानमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करते और उन्हें चादर भेंट करते देखा गया। लगभग 10 सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल को पीएम और एक फ्रेम वाली पेंटिंग के साथ पोज देते हुए भी देखा गया। बैठक में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी भी शामिल हुए। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का 812वां वार्षिक उर्स 8 जनवरी को शुरू हुआ। भीलवाड़ा के गोरी परिवार ने 7 जनवरी को झंडा फहराया। सोमवार को अजमेर दरगाह के खादिमों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भेजा, जिसमें 13 से 21 जनवरी तक दरगाह में उर्स में भाग लेने वाले व्यक्तियों की सुरक्षा की गारंटी के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया।

पीएम मोदी आज करेंगे महाराष्ट्र का दौरा

पीएम मोदी आज महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12:15 बजे नासिक पहुंचेंगे, जहां वे 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। दोपहर करीब 3:30 बजे प्रधानमंत्री मुंबई में अटल बिहारी वाजपेयी सेवारी-न्हावा शेवा अटल सेतु का उद्घाटन करेंगे। लगभग 4:15 बजे, प्रधानमंत्री नवी मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री का विज़न शहरी परिवहन बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करके नागरिकों की 'ईज़ ऑफ मोबिलिटी' को बेहतर बनाना है। इस विज़न के अनुरूप, मुंबई ट्रांसहार्बर लिंक (एमटीएचएल), का नाम अब 'अटल बिहारी वाजपेयी सेवारी-न्हावा शेवा अटल सेतु' रखा गया है,जो अब तैयार हो गया है। इस पुल का शिलान्यास भी दिसंबर 2016 में प्रधानमंत्री ने किया था।

सुखबीर बादल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर किया मानहानि केस

• जालंधर ब्रीज. मुक्तसर

अपने परिवार पर झूठे आरोप लगाने पर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मुक्तसर अदालत में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के खिलाफ मानहानि का केस दायर किया है। लुधियाना में पंजाब सरकार की ओपन डिबेट में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि बादल परिवार ने हरियाणा में बालासर फार्म के लिए स्पेशल नहर निकाली थी। सुखबीर बादल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान बादल परिवार के खिलाफ लगातार झूठे बयान दे रहे हैं। श्री मुक्तसर साहिब में प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिअद अध्यक्ष ने कहा कि झूठ बोलना भगवंत मान की आदत है। वे कई बार मुख्यमंत्री को उनके परिवार के बारे में झूठ बोलने को लेकर चेतावनी दे चुके थे लेकिन मान नहीं माने। पहले तो वह चुप थे लेकिन अब भगवंत मान राज्य के मुख्यमंत्री हैं। इसलिए अब तो बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। सुखबीर ने कहा कि मुख्यमंत्री मान ने बयान दिया था कि बालासर स्थित जो उनका फार्म है, वहां जो नहर निकाली गई है, वह खासतौर पर बादल के खेतों के लिए ही निकाली गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने हमारी ट्रांसपोर्ट कंपनी के बारे में झूठा बयान दिया कि बादल परिवार ने अपनी सभी बसों के परमिट एक्सटेंशन करवा कर चंडीगढ़ ले गए हैं।

सुखबीर बादल ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को कोर्ट की तरफ से नोटिस भेजा था, जिसमें उनका कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद उन्होंने वीरवार को मुक्तसर अदालत में मुख्यमंत्री के खिलाफ मानहानि का केस दायर किया। मैं मुख्यमंत्री को मुक्तसर की अदालत में लेकर आऊंगा, तभी उन्हें पता चलेगा कि झूठ बोलने की सजा क्या होती है।

पंजाब कांग्रेस के नेताओं पर नवजोत सिद्धू का तंज- जनता सब जानती है

चंडीगढ़. कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू व्यक्तिगत रैली आयोजित करने की वजह से पार्टी नेताओं के ही निशाने पर आ गए हैं। पार्टी का एक वर्ग ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। इस पर सिद्धू का बयान आया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि अनुशासन हर किसी के लिए है, यह कुछ लोगों के लिए एक चीज और कुछ के लिए कुछ और नहीं हो सकता है।

राज्य कांग्रेस मामलों के प्रभारी देवेंद्र यादव से मुलाकात करने वाले सिद्धू ने कहा कि उनकी सार्वजनिक बैठकें प्रदेश की उनकी तीन दिवसीय यात्रा से पहले निर्धारित थीं। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा को लोगों तक ले जाना हर किसी की जिम्मेदारी है। यादव से मिलने जाने से पहले, सिद्धू ने एक्स पर एक गुप्त वीडियो संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि रीढ़विहीन नेता जो सही के लिए खड़े नहीं हो सकते, वे अब बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपने व्यंग्यात्मक वीडियो संदेश में किसी का नाम नहीं लिया। सिद्धू ने कहा कि वे लोग, जिन्होंने एक-एक पैसे के लिए खुद को बेच दिया, जो लोग समझौते करके घुटनों पर थे। आइए बात करते हैं बरगद के पेड़ों की, गमलों में उगने वाले लोगों की। कौड़ी-कौड़ी बिके हुए लोग, समझौता करके घुटनो पे टिके हुए लोग। बरगद की बात करते हैं, गमले में उगे हुए लोग। जब उनसे पूछा गया कि एक्स पर उनका पोस्ट किसके लिए है तो सिद्धू ने कहा कि जनता सब जानती है।

गुरुवार को पार्टी के पंजाब मामलों के प्रभारी से मुलाकात के बाद सिद्धू ने कहा कि वह कांग्रेस की विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने और कार्यकर्ताओं को पार्टी की विरासत से जोड़ने के लिए लोगों के बीच जा रहे हैं। लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी ताकत है और सभी का कर्तव्य है कि कांग्रेस की विचारधारा को अपनाकर आलाकमान को सर्वोच्च मानें।

दिल्ली-हरियाणा और पंजाब के 32 ठिकानों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली. राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को दिल्ली, हरियाणा और पंजाब की 32 जगहों पर छापेमारी की है। एनआईए ने हरियाणा के सोनीपत जिले के सेरसा गांव और गढ़ी सिसाना में भी रेड मारी। सिद्धू मुसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर अंकित सेरसा और प्रियव्रत फौजी के परिजनों से एनआईए ने पूछताछ की। इस दौरान उनके मकानों की भी तलाशी ली गई। अंकित सेरसा के पिता जगबीर ने बताया कि एक टीम गुरुवार की सुबह घर पर पहुंची थी। टीम ने अंकित के बारे में परिवार से पूछा कि उससे बातचीत होती है या नहीं, अगर होती है तो क्या बातचीत होती है। मूसेवाला हत्याकांड में एनआईए की टीम ने बेरी निवासी कुलदीप उर्फ कशिश के घर पर भी दबिश दी। एनआईए की टीम ने जिस समय कुलदीप के घर रेड मारी उसकी मां, भाई और भाभी वहां मौजूद थी। पलवल के होडल उपमंडल के गांव करमन में भी एनआईए ने सरपंच के घर छापेमारी की। सरपंच सरोज के देवर अनिल के बंबीहा गैंग के गैंगस्टर नीरज फिरोजपुरिया से संबंध बताए जा रहे हैं। एनआईए की टीम ने गुरुवार को सुबह साढ़े 5 बजे अनिल के घर दस्तक दी थी। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने बठिंडा में गैंगस्टर हैरी मौड़ के घर पर भी छापेमारी की। इस दौरान किसी को उनके घर पर आने-जाने की परमिशन नहीं दी गई।

हरियाणा-पंजाब और चंडीगढ़ में महसूस किए भूकंप के झटके

चंडीगढ़. हरियाणा, पंजाब के साथ-साथ दोनों राज्यों की राजधानी चंडीगढ़ में भी गुरुवार को दोपहर तीन बजे के आस-पास भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान के हिंदुकुश में भूकंप का केंद्र था। हिंदुकुश में रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 थी। हालांकि किसी नुकसान की खबर नहीं है। हल्की तीव्रता का भूकंप था। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में भी भूकंप के झटके महसूस हुए। अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। लोग सुरक्षा उपाय के रूप में घरों और इमारतों से बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भारतीय समयानुसार दोपहर दो बजकर 50 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र काबुल से 241 किलोमीटर उत्तर उत्तरपूर्व में था।

आटा एट डोरस्टेप योजना शुरू करने पर बाजवा ने 'आप' को घेरा

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार को लापरवाह तरीके से घर तक गेहूं का आटा पहुंचाने की बहुप्रचारित योजना शुरू करने के लिए फटकार लगाई। विपक्ष के नेता ने कहा, 'आप सरकार पंजाब में लाभार्थियों के लिए उपरोक्त योजना को व्यावहारिक रूप से लागू करने में सक्षम नहीं थी।' बाजवा ने कहा कि राज्य में करीब 18,000 डिपो धारक हैं लेकिन उनके पास केवल 1,200 बायोमीट्रिक मशीनें हैं, जो योजना को सुचारू रूप से चलाने के लिए पर्याप्त नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 35 लाख स्मार्ट कार्ड धारक और उपरोक्त योजना के 1.41 करोड़ लाभार्थी हैं। केवल

1100 निरीक्षकों और 1200 बायोमेट्रिक मशीनों के साथ, लाभार्थियों को लाभ प्राप्त करना मुश्किल होने की उम्मीद है। इस बीच, ऑल इंडिया फेयर प्राइस डीलर्स फेडरेशन ने प्रत्येक डिपो होल्डर के लिए एक बायोमेट्रिक मशीन की मांग की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार अक्सर खुद को असहज स्थिति में पाती है जब वह जमीनी काम किए बिना निर्णय लेती है या कोई योजना शुरू करती है। कई मामलों में आप सरकार ने अपने फैसलों से यू-टर्न ले लिया था।

सरकारी अस्पतालों में खोले जाएगे 'सुविधा केंद्र' : स्वास्थ्य मंत्री

नशा पीडितों को कौशल विकास समागमों में शामिल कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, डा. बलबीर सिंह द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

पंजाब सरकार द्वारा राज्य में पहली बार मरीजों को सुविधा और सटीक जानकारी प्रदान करने और उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार डाक्टरों तक पहुंचाने के लिए सभी सरकारी अस्पतालों में मरीज सुविधा केंद्र खोले जा रहे है। शहीद बाबू लाभ सिंह सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री डा. बलबीर सिंह, जिनके साथ राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल, अशोक मित्तल और लोकसभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू भी थे, ने कहा कि मरीजों की सुविधा के लिए यह केंद्र सभी सरकारी अस्पतालों के गेट पर खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों में बैठने की उचित प्रबंधो के अलावा मरीजों की जरूरत के अनुसार डाक्टरों के संबंध में सारी जानकारी स्टाफ द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बीमार एवं बुजुर्ग मरीजों को स्टाफ द्वारा मैडीकल रूम तक लेकर जाया जाएगा। इस मौके पर आम आदमी पार्टी नेता ओलंपियन सुरिंदर सिंह सोढ़ी, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर मेजर डा. अमित महाजन व अन्य मौजूद रहे।

'इंटीग्रेटिड स्वास्थ्य मॉडल' पायलट प्रोजेक्ट की शुरूआत

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने एक विशेष प्रोजैक्ट का उद्घाटन करते हुए कहा कि समय की मुख्य मांग उन महिलाओं की पहचान करना है जो नशे की चपेट में आ गई हैं और उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान करना है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार ने नशे के चलन में फंसी महिलाओं के लिए एलायंस इंडिया और जी.आई.एल.लीड फाउंडेशन के सहयोग से कपूरथला जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 'इंटीग्रेटिड हेल्थ मॉडल' शुरू किया है ।उन्होंने कहा कि जिले में इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व डिप्टी मेडिकल कमिश्नर डॉ. संदीप भोला करेंगे और वह स्वयं इसकी निगरानी करेंगे।

कपूरथला मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द शुरू होगा : डॉ. बलबीर सिंह

कपूरथला. पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि कपूरथला मैडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होने जा रहा है जिसके लिए टैंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है और फरवरी के पहले सप्ताह में टैंडर खोले जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह आज स्थानीय सिविल अस्पताल में मैडिकल कॉलेज की जगह का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने सिविल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, आईसीयू, जनरल वार्ड, सखी वन स्टॉप सैंटर और नशा मुक्ति केंद्र का भी दौरा किया और मरीजों और आम जनता को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा की। पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं और 2025 के अंत तक कॉलेज बनकर तैयार हो जाएगा।

कड़ाके की ठंड में भी गर्म रहती हैं ये जगह, जनवरी की सर्दी के लिए ट्रिप प्लान

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

सर्दियों के मौसम में ज्यादातर लोग घूमने की प्लानिंग करते हैं। लेकिन कई लोगों का प्लान इसलिए भी कैंसिल हो जाता है, क्योंकि कुछ जगहों पर बर्फबारी से रास्ते बंद हो जाते हैं या फिर कई लोगों को सर्दी ज्यादा लगती है। ऐसे में भारत की उन जगहों पर जा सकते हैं, जो सर्दियों में भी गर्म रहती हैं। यहां जानिए सर्दियों में गर्म रहने वाली जगहों के बारे में।

गोवा- जब बात सर्दी के मौसम में किसी गर्म जगह की हो तो गोवा जाना बेस्ट है। नवंबर से फरवरी का महीना यहां जाने के लिए बेस्ट है। इन महीनों में दिल्ली, मनाली जैसे शहरों में ठंड कड़ाके की होती है। तब गोवा में दिन का समय काफी गर्मी होता है। ऐसे में सुनिश्चित करें कि आप इस ट्रिप पर अपने कुछ सबसे आरामदायक और हल्के कपड़े ले जाएं।

पुदुचेरी- कुछ शानदार डिशेज और स्नैक्स का स्वाद लेने के लिए यहां कई रंगीन और फैंसी कैफे में जा सकते हैं। आप यहां के चर्च भी देख सकते हैं। यहां जाने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च का है। ऑरोविले बीच और पैराडाइज बीच पर परिवार के साथ मजे लें।

कोवलम- अगर आप जानना चाहते हैं कि केरल की संस्कृति कैसी दिखती है और कैसी लगती है, तो आपको कोवलम का दौरा करना चाहिए। यह जनवरी में यात्रा करने के लिए सबसे गर्म जगहों में से एक है। कोवलम अपने समुद्र तट के लिए फेमस है, जिसे देखने के लिए यहां लगभग सभी पर्यटक आते हैं। यहां आपको वॉटरस्पोर्ट्स के खूब ऑप्शन मिलेंगे।

कच्छ- कच्छ जनवरी में जाने के लिए गर्म जगहों में से एक है। जनवरी में घूमने के लिए कच्छ बेस्ट डेस्टिनेशन है। आप सर्दियों के दौरान वार्षिक रण महोत्सव में भी शामिल हो सकते हैं।

लक्षद्वीप- लक्षद्वीप जनवरी में घूमने के लिए बेस्ट है। खूबसूरत समुद्रतटों के अलावा आप यहां वाइल्डलाइफ को भी एंजॉय कर सकते हैं। स्कूबा डाइविंग, स्नोर्कलिंग, विंडसर्फिंग, कैनोइंग जैसे वॉटर गेम्स का भी यहां मजा लिया जा सकता है।

OVERCOME STRESS

हर टाइम टेंशन में रहते हैं आप? निपटने के लिए अपनाएं ये तरीके

टेंशन कोई बीमारी है ये बस ज्यादा सोचने के कारण होता है। इससे निपटने के लिए आपको बहुत मेहनत नहीं करनी होती बस मन को शांत रखना होगा। इसी के साथ ही सेल्फ केयर मददगार है।

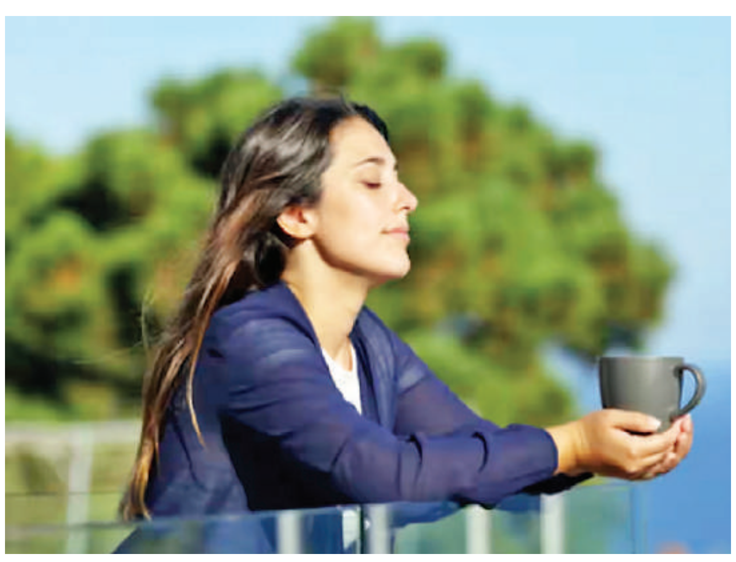

भागदौड़ भरी जिंदगी ज्यादातर लोगों के लिए स्ट्रेसफुल होती जा रही है। कई बार स्ट्रेस इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि इससे निपटना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आपको जब भी स्ट्रेस हो तो कोशिश करें कि आप इससे फटाफट निपट लें। टेंशन दूर करने के लिए आप इन 3 तरीकों को अपना सकते हैं।

टेंशन मैनेज करना सीखें - टेंशन या स्ट्रेस से निपटने का सबसे आसान और जरूरी तरीका है कि आप स्ट्रेस को मैनेज करना सीखें। इसके लिए अपने माइंड को रिलैक्स करना जरूरी है। इसके लिए एक्सरसाइज करें और मेडिटेशन करें।

सेल्फ केयर करें - बिजी लाइफ में से खुद के लिए समय निकालना काफी जरूरी है। स्ट्रेस कम करने के लिए अपनी ओर ध्यान दिया जाना सबसे ज्यादा जरूरी है। खुद पर ध्यान देने का मतलब है कि अच्छी तरह से तैयार हों, मेकअप करें या फिर शॉपिंग पर जाएं। ऐसा करने पर आपको खुशी महसूस हो सकती है।

मन शांत रखें - मन को शांत रखकर आप टेंशन को दूर कर सकते हैं। इसके लिए आप मेडिटेशन कर सकते हैं। स्ट्रेस दूर करने के लिए अक्सर आपने एक्सपर्ट्स से सुना होगा कि मेडिटेशन जरूरी है। इस दौरान अपने बारे में सोचें। ध्यान लगाकर तनाव को दूर किया जा सकता है।

HAIR CARE

सर्दियों में बाल बिल्कुल ड्राई हो गए हैं तो जानें सॉफ्ट और मुलायम बनाने का तरीका

सवाल : ठंड के मौसम में हर साल मेरे बाल बहुत ज्यादा रूखे-से हो जाते हैं। साथ उसमें डैंड्रफ की समस्या भी बढ़ जाती है। ठंड में अपने हेयर केयर रुटीन में मुझे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? – **रश्मि,** जालंधर

जवाब : ठंड में बालों का रूखा होना एक आम समस्या है। इससे बचने के लिए दो बातों का ध्यान रखें। शैंपू का चुनाव करते वक्त शैंपू विथ कंडीशनर चुनें। पारदर्शी शैंपू का इस्तेमाल ठंड के मौसम ना करें। शैंपू करने के बाद कंडीशनर जरूर लगाएं। कंडीशनर लगाने से बाल सुलझे हुए रहते हैं और उनमें एक चमक रहती है। ऐसे ही बालों में आप लिव-इन सीरम भी लगा सकता हैं। अगर ठंड में बाल बहुत ज्यादा रूखे हो जाते हैं, तो शैंपू के बाद कंडीशनर और उसके बाद लिव-इन सीरम लगाया जा सकता है। शैंपू और कंडीशनर को अच्छी तरह से धोने के बाद बालों को तौलिये से सुखाने के बाद सिर्फ दो बूंद लिव-इन सीरम हथेलियों में लेकर उसे बालों अच्छी तरह से लगाएं। इससे आपकी समस्या काफी हद तक सुलझ जाएगी। अगर बार-बार डैंड्रफ की समस्या हो रही है, तो थोड़ा-सा घी नाभि में डालें। इन दोनों उपायों से खासतौर से ठंड में होने वाली बालों से जुड़ी समस्याओं से आपको छुटकारा मिल जाएगा।

सवाल : पिछले कुछ समय में मेकअप में ब्रॉन्जर का इस्तेमाल बहुत बढ़ा है। इसका इस्तेमाल क्यों किया जाता है? इसे इस्तेमाल करते वक्त किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए? –**सिमरन,** जालंधर

जवाब : मेकअप कलर थ्योरी पर काम करता है। किसी भी जगह पर जब हम गहरा रंग लगाते हैं, तो वह दब जाती है। इसी तरह से जब आप चेहरे पर डार्क ब्रॉन्जर लगाती हैं, तो चेहरे का वह हिस्सा दब जाता है। चेहरे के किसी भी हिस्से को नहीं दिखाना है या कम दिखाना है, तो वहां आप गहरे रंग का ब्रॉन्जर लगा सकती हैं। ब्रॉन्जर हमेशा अपनी त्वचा की रंगत से हल्का ही गहरा लें। बहुत ज्यादा गहरा ब्रॉन्जर अच्छा नहीं लगता और साथ ही ऐसा करने से आपकी रंगत बहुत गहरी नजर आएगी। डबल चिन, नाक के दोनों साइड वाले हिस्से या फिर अपने चेहरे को साइड से पतला दिखाने के लिए भी आप ब्रॉन्जर का इस्तेमाल कर सकती हैं। पहले अपने चेहरे के आकार पर गौर करें। चेहरे को ओवल आकार देने के लिए जिस-जिसे हिस्से को आपको छुपाना है, वहां पर ब्रॉन्जर लगाएं और उसके बाद उसे अच्छी तरह से मिलाएं ताकि ब्रॉन्जर अलग से दिखाई ना दे। ब्रॉन्जर पाउडर और क्रीम दोनों में आता है। अगर आप पाउडर वाले ब्रॉन्जर का चुनाव करती हैं, तो उसे फेस पाउडर लगाने के बाद लगाएं , वहीं क्रीम ब्रॉन्जर को फेस पाउडर लगाने से पहले लगाएं।

स्वाद ही नहीं सेहत का भी खजाना है जीरा, किस समस्या के लिए कैसे करें इस्तेमाल

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

तड़का लगाना हो या फिर दही भल्ले का स्वाद बढ़ाना हो, हर जगह जीरा बड़ा काम आता है। लेकिन आज खाने का स्वाद बढ़ाने से लेकर सेहत को दुरुस्त रखने तक के लिए कैसे जीरे का इस्तेमाल किया जा सकता है, बता रही हैं कुकरी एक्सपर्ट प्रियंका।

भोजन में स्वाद और सुगंध जोड़ता है जीरा– जीरा शाकाहारी भोजन की जान है। मुझे जीरे के बारे में लिखते हुए कई वर्षों पूर्व की एक घटना याद आ रही है। मेरे घर एक बुजुर्ग रिश्तेदार आए और उन्होंने कहा कि दाल के तड़के में जीरा मत डालना क्योंकि यह मेरे दांतों में फंसता है। मैं परेशान कि क्या करूं? दाल व सब्जी में जीरे का तड़का तो लगाना ही था। तो मैंने थोड़ा सा जीरा पाउडर बना लिया और घी में मिर्च के साथ मिलाकर तड़का लगा दिया। दाल,सब्जी का स्वाद भी बढ़ गया और उन्हें भी यह महसूस नहीं हुआ कि जीरा उनके दांतों में फंस जाएगा। मैं उपरोक्त घटना का जिक्र इसलिए कर रही हूं कि कुछ लोग जीरे को साफ नहीं करते हैं। ऐसे में उसके किनारे की फांस मसूढ़े में चुभ जाती है,जो तकलीफ देती है।

जीरा एक लोकप्रिय मसाला है, जिसके इस्तेमाल से दाल, सब्जी,रायता,चावल,चटनी आदि का स्वाद और खुशबू दोनों ही बढ़ जाते हैं। सिर्फ स्वाद और सुगंध ही नहीं, जीरा भोजन को सुपाच्य और तृप्तिदायक बनाता है।

दो तरह का होता है जीरा– मोटे रूप से जीरा दो प्रकार का होता है– एक साधारण जीरा, दूसरा काला जीरा या शाह जीरा। पर, रोजमर्रा की कुकिंग में शाह जीरे का इस्तेमाल नहीं होता। यह महंगा भी मिलता है। मैं तो दाल,सब्जी,चावल,कढ़ी और रायते के अलावा दलिया, खिचड़ी, उपमा और इडली आदि के तड़के में भी जीरा डालती हूं। जीरे की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दियों में इसका उपयोग ज्यादा किया जाता है। पर, भूनने के बाद इसकी तासीर बदल जाती है।

सेहत से जुड़ी इन समस्याओं को दूर करता है जीरा– जीरा सेहत का भी

रखवाला है। भुने जीरे का सेवन करने से कब्ज से छुटकारा मिलने के साथ पेट ठीक रहता है। डायबिटीज,गैस, बदहजमी और कोलेस्ट्रॉल आदि से भी जीरा राहत दिलाता है।

- एसिडिटी होने पर पानी में नमक,चीनी और नींबू के साथ भुना जीरा पाउडर डालकर पिएं। आराम मिलेगा।
- पेट दर्द, जी मिचलाना आदि में थोड़ा सा जीरा चबा-चबा कर खाएं। मैं तो इसकी चूरन की गोली बनाकर भी इसका प्रयोग करती हूं।
- नभुने जीरे के पाउडर में थोड़ा सा गुड़ और अमचूर पाउडर डालकर गोली बनाएं और अपच होने पर खाने के बाद एक दो गोली खाकर गुनगुना पानी पी लें।
- दूध पिलाने वाली महिलाओं को तो जीरे के लड्डू,जीरे का पानी देने का रिवाज ही है।
- ध्यान रहे ज्यादा मात्रा में इसका सेवन न करें क्योंकि इससे यूरिक एसिड भी बढ़ सकता है।

भुने जीरे का ऐसे करें इस्तेमाल– जीरे को सूखे मसाले जैसे चाट मसाला, गरम मसाला, अचार मसाला पाउडर आदि में तो डाला ही जाता है, पर इसको दो तरीके से भूनकर रख सकती हैं–

- धीमी आंच पर जीरे को एक कड़ाही में भूनिए। जब खुशबू आने लगे तो गैस बंद कर दें। इसको ठंडा करके पाउडर बना लें। शकरकंदी की चाट, फ्रूट चाट आदि में ऊपर से बुरक कर खाएं। स्वाद अच्छा आएगा।
- जीरा जब हल्का भुन जाए तो उसमें थोड़ी हींग भी मिलाएं। खुशबू आने के बाद गैस बंद करें। ठंडा करके पाउडर बनाकर रखें। दही के रायते में, छाछ में प्रयोग में लाएं। स्वाद के साथ-साथ सेहत भी दुरुस्त रहेगी।
- दही में पौष्टिक तत्व जैसे कैल्शियम,प्रोटीन आदि पाए जाते हैं, जो भुना जीरा मिलाने से पेट को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

यूं लगाएं जीरे का तड़का–

- जीरा राइस बनाना हो तो थोड़े से तेल में जीरा भूनकर तेजपत्ता आदि डालें। फिर चावल व नमक डालकर पकाएं। अच्छा स्वाद मिलेगा।
- पकी दाल में तड़का लगाना हो या कढ़ी में... जीरा, साबुत लाल मिर्च और हींग को घी में भूनकर तड़का लगाएं और ढक दें। खुशबू अंदर तक समा जाएगी।
- रायता या छाछ में तड़का लगाना हो तो हींग व जीरे को घी में भूनकर मिला दें।
- कुछ सब्जियों जैसे जीरा आलू बनाना हो या हरी मटर मेथी आदि तो तेल या घी में हींग व जीरे का तड़का लगाकर छौंक लगाएं। खुशबू अंदर तक समा जाएगी।
- इडली, उपमा, अप्पे आदि में राई, करी पत्ते के साथ थोड़ा जीरा डालकर तड़का लगाएं। स्वाद और अच्छा हो जाएगा।

बच्चों को सही राह दिखाने के लिए थोड़ी ढील भी जरूरी

PARENTING MISTAKES

बदलते दौर में परवरिश का तरीका बदला है, तो चुनौतियां भी। बच्चों में बढ़ रहा तनाव एक ऐसी ही चुनौती है। कैसे अपने बच्चे को तनाव और अवसाद के दुष्चक्र से दूर ही रखें...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

क्या आपने कभी सोचा है कि भला बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की बात एक विज्ञापन के जरिए कहने की क्या जरूरत पड़ गई? दरअसल, बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य उनकी शारीरिक सेहत के जितना ही महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आमतौर पर माना जाता है कि बच्चों को तनाव नहीं होता है क्योंकि यह सिर्फ वयस्कों की परेशानी है। लेकिन सच यह है कि जब तक उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत के बीच संतुलन नहीं होगा, वे आगे नहीं बढ़ पाएंगे। इसका समाधान भी संभव है, लेकिन उसके लिए माता-पिता को पहल करनी होगी और अच्छे खानपान के साथ अपने बच्चे को सुरक्षित तथा प्यार भरा माहौल भी देना होगा। ताकि वे अपनी समस्याओं से अकेले जूझने की बजाय आपके साथ साझा कर सकें।

नियमित संवाद है जरूरी : अपने बच्चे के साथ खुला और सहज संवाद बनाकर रखें। उनकी भावनाएं समझने की कोशिश करें और यदि वह आपके साथ कुछ साझा करते हैं तो उनके ऊपर भरोसा जरूर जताएं। उन्हें यकीन दिलाएं कि आप उनकी परेशानी समझती हैं और उसे सुलझाने के लिए हमेशा उनके साथ हैं।

बनाएं दोस्ती का रिश्ता : हमेशा माता-पिता की तरह व्यवहार करने के बजाय अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कायम करें। उनके शौक का हिस्सा बनकर, तल्लीनता से उनकी बातें सुनकर और सामान्य गलतियों को हंसकर टाल देने से आपके और बच्चों के रिश्ते में मजबूती आएगी और वह आपसे बिना डरे अपनी बातें साझा कर सकेंगे।

अच्छा हो घर का माहौल : सारे दिन की थकान के बाद इंसान जब घर पहुंचता है तो उसकी थकान दूर हो जाती है। लेकिन यदि घर में आए दिन लड़ाई-झगड़े होते रहते हैं तो उसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों पर बहुत ज्यादा पड़ता है। नतीजतन, वेघर पर रहने से कतराने लगते हैं। इसलिए घर का माहौल हमेशा अच्छा बनाकर रखें ताकि उन्हें भावनात्मक सुरक्षा का अहसास हो सके।

कायम करें मिसाल : बच्चों का पहला स्कूल घर और पहले गुरु उनके अभिवाभक ही होते हैं। यानी उनमें अच्छी या बुरी आदतों की नींव घर से ही पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि उनके सामने आप अपनी मजबूत और संवेदनशील छवि कायम करें। जो गुण आप उनके भीतर देखना चाहते हैं, उन्हें पहले अपने व्यक्तित्व में शामिल करें।

बीपी रोगियों के लिए वरदान से कम नहीं हैं काले तिल

HEALTH TIPS

क्या आप जानते हैं, काले तिल सिर्फ आपकी आस्था का ही नहीं बल्कि आपकी सेहत का भी ध्यान रखते हैं।आइए जानते हैं काले तिल का सेवन करने से सेहत को मिलते हैं क्या गजब के फायदे

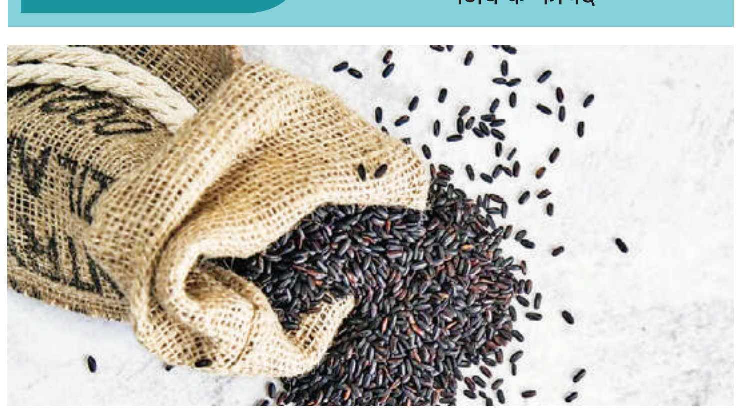

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आपकी रसोई में रखे तिल, पूजा से लेकर टेस्टी डिशेज बनाने तक में काम आते हैं। आमतौर पर तिल दो तरह के देखने को मिलते हैं-काले और सफेद। घर की महिलाएं सफेद तिल का इस्तेमाल लड्डू और चिली पोटैटो जैसी रेसिपीज को बनाने के लिए करती हैं। जबकि काले तिल पूजा के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, काले तिल सिर्फ आपकी आस्था का ही नहीं बल्कि आपकी सेहत का भी उतना ही ध्यान रखते हैं। जी हां, काले तिल में कैल्शियम,पॉलीसैचुरेटेड फैटी एसिड,ओमेगा-6,फाइबर,आयरन,आयरन,कैल्शियम,मैग्नीशियम, फॉस्फोरस जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो बीपी कंट्रोल करने से लेकर मेंटल हेल्थ को अच्छा बनाए रखने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं काले तिल का सेवन करने से सेहत को मिलते हैं क्या-क्या गजब के लाभ।

काले तिल का सेवन करने से सेहत को मिलते हैं ये फायदे-

मजबूत पाचन तंत्र- सर्दियों में पाचन संबंधी समस्याएं व्यक्ति को काफी परेशान करती हैं। ऐसे में काले तिल का सेवन आपकी समस्या को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। काले तिल में फाइबर मौजूद होता है,जो पाचन तंत्र को मजबूत बनकर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करता है। जिससे कब्ज और अपच जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

मजबूत हड्डियां- सर्दियों के मौसम में काले तिल का सेवन करने से हड्डियां भी मजबूत बनी रहती हैं। काले तिल में मौजूद कैल्शियम की मात्रा हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करती हैं। सर्दियों में इसका सेवन करने से जोड़ों और हड्डियों में दर्द की समस्या में राहत मिलती है। बता दें, गठिया के मरीजों के लिए भी काले तिल का सेवन बेहद फायदेमंद हो सकता है।

दिमागी सेहत- काले तिल में विटामिन बी6, मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो दिमागी सेहत को अच्छा बनाए रखने में मदद करते हैं। काले तिल का सेवन करने से दिमाग तेज होता है।

दिल की सेहत- काले तिल में पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने में मदद करते हैं। जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है।

इम्यूनिटी बूस्ट- सर्दियों के मौसम में काले तिल का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। काले तिल में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जो इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। जिससे मौसमी बीमारियों और संक्रमण जैसे सर्दी-जुकाम का जोखिम कम होता है।

नोट : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी तरह के प्रयोग या चिकित्सा से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

उच्च गुणवत्ता में भारत को दुनिया में अग्रणी बनाना

विनिर्माण क्षेत्र में 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट' के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुरूप उच्चतम वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले उच्च गुणवत्ता के उत्पाद उपलब्ध कराने में भारत दुनियाभर में अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री के मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठा रही है कि 'मेड इन इंडिया' ब्रांड गुणवत्ता की गारंटी हो, जो भारतीय और विदेशी उपभोक्ताओं के लिए आनंद का परिचायक बने।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया है कि एक लाभदायक बाजार तभी कायम रह सकता है जब उत्पादकों और उपभोक्ताओं के हितों में संतुलन हो। इस रणनीति का एक प्रमुख घटक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) पर जोर देना है। इसके जरिये क्यूसीओ यह सुनिश्चित करता है कि सभी उत्पाद भारतीय मानक ब्यूरो के निर्धारित मानदंडों के अनुरूप हों। यह उन उपभोक्ताओं के लिए एक वरदान है, जिससे उपभोक्ताओं को उत्पादों तथा व्यवसायों के संबंध में विश्वसनीय, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता का भरोसा प्राप्त होता है। इसके जरिये घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती मांग व उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल इंडिया पहल ने 140 करोड़ भारतीयों के परिवार को दुनिया से जुड़ने और सर्वोत्तम उत्पादों व व्यवहारों के बारे में जानने में मदद की है। वे किसी उत्पाद को खरीदने से पहले नियमित रूप से प्रदर्शन, स्थायित्व और निर्भरता के लिए ग्राहक समीक्षाओं की जांच करते हैं। यदि वे उत्पाद से असंतुष्ट हैं, तो वे सार्वजनिक रूप से कमियों को उजागर करते हैं। इसलिए, उत्पाद की गुणवत्ता, कीमत और नवीनता के बीच संतुलन बनाना समय की मांग है।

मोदी सरकार सुरक्षित, विश्वसनीय व बेहतर गुणवत्ता वाले सामान उपलब्ध कराने और भारतीय उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत गुणवत्ता इको-सिस्टम विकसित करने पर केंद्रित है। मई 2014 से पहले, 106 उत्पादों को कवर करने वाले केवल 14 क्यूसीओ जारी किए गए थे। सूची को अब 653 उत्पादों को कवर करते हुए 148 क्यूसीओ तक बढ़ा दिया गया है। इनमें एयर कंडीशनर, खिलौने और जूते जैसे घरेलू उत्पाद शामिल हैं। निर्यात पर गुणवत्ता नियंत्रण क्यूसीओ ने 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड'

जालंधर ब्रीज

पीयूष गोयल

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, उपभोक्ता मामले और वस्त्र मंत्री हैं)

के मिशन को गति दी है। क्यूसीओ के तहत कई उत्पादों का निर्यात किया जा रहा है। कच्चा लोहा उत्पाद, सौर डीसी केबल, दरवाजे की फिटिंग, छत के पंखे, हेलमेट, स्मार्ट मीटर, हिंजेस, एयर कूलर और एयर फिल्टर गुणवत्ता-नियंत्रित उत्पाद हैं, जो आयात किए जाने की तुलना में कहीं अधिक निर्यात किए जाते हैं।

क्यूसीओ द्वारा कवर किए गए कास्ट आयरन उत्पादों का पिछले साल 535 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ था, जबकि आयात मुश्किल से 68 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। लगभग 25 क्यूसीओ में ऐसे उत्पाद शामिल हैं, जहां आयात से अधिक निर्यात होता है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि क्यूसीओ भारत में मजबूत गुणवत्ता चेतना के निर्माण पर केंद्रित हैं। इससे देश में खराब गुणवत्ता वाले सामानों की डंपिंग को कम करने में भी मदद मिलती है। उल्लेखनीय है कि सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुओं तक पहुंच हमारे अमृत काल में प्रत्येक भारतीय नागरिक का अधिकार है। क्यूसीओ लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। सस्ते इलेक्ट्रॉनिक्स के कारण आग लगने, खिलौनों में जहरीले रसायनों के कारण बच्चों के अस्पताल में भर्ती होने और बिजली के शॉर्ट-सर्किट जैसे जोखिमों के कारण घटिया उत्पाद घरों के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं।

शानदार उदाहरण गुणवत्ता : नियंत्रण कैसे उपभोक्ताओं और निर्माताओं की मदद के लिए विनिर्माण को आमूल रूप से उन्नत कर सकता है, इसका एक शानदार उदाहरण खिलौना उद्योग है। इस क्यूसीओ के कार्यान्वयन से पहले, भारतीय खिलौना बाजार सस्ते, घटिया उत्पादों से भरा पड़ा था। वर्ष 2019 में भारतीय गुणवत्ता परिषद के एक सर्वेक्षण से पता चला कि मुश्किल से एक-तिहाई खिलौने प्रासंगिक बीआईएस मानकों का पालन करते हैं, और उनमें से अधिकांश बच्चों के लिए खतरनाक थे। यह मोदी सरकार के लिए पूरी तरह से अस्वीकार्य था, जिसने एक जनवरी, 2021 से इस क्षेत्र के लिए क्यूसीओ के साथ तेजी से हस्तक्षेप किया था। इससे भारत में खिलौनों की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ। एक हालिया सर्वेक्षण से पता चला है कि भारतीय बाजार में 84 प्रतिशत खिलौने बीआईएस मानकों का पालन करते हैं। क्यूसीओ ने न केवल भारतीय बच्चों को सुरक्षित, उच्च गुणवत्ता वाले खिलौने उपलब्ध कराए हैं, बल्कि 2018-19 की तुलना में 2022-23 में उनके निर्यात में 60 प्रतिशत की वृद्धि भी हुई है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और घरों में उपयोग होने वाले अन्य उत्पादों पर कई गुणवत्ता मानदंड लागू किए गए हैं। इनमें स्मार्ट मीटर, बोल्ट, नट और फास्टनर, छत के पंखे, अग्निशामक यंत्र, कुकवेयर, बर्तन, पानी की बोतलें, पाइप्ड नेचुरल गैस के उपयोग के लिए घरेलू गैस स्टोव, लकड़ी आधारित बोर्ड, इंसुलेटेड फ्लास्क और इंसुलेटेड कंटेनर आदि शामिल हैं। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए उद्योग प्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों से परामर्श करती है कि क्यूसीओ को लागू करने से पहले उनकी प्रतिक्रिया, तकनीकी इनपुट और व्यावहारिक सुझावों पर विचार किया जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा जाता है कि सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों को लंबी अंतरण अवधि देकर उनके हितों की रक्षा की जाए। सरकार उद्योग को अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करने और उन निर्माताओं का समर्थन करने के लिए हमेशा तैयार है, जो गुणवत्ता में सुधार करना चाहते हैं। गुणवत्ता अभिशासन, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उत्पादों को वैश्विक मानकों के अनुरूप उन्नत करने का अभियान 140 करोड़ भारतीयों के अपने परिवार के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रधानमंत्री के व्यापक दृष्टिकोण से जुड़ा है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा और बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ-साथ रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी ज़रूरतें प्रदान करने के लिए कई निर्णायक कदम उठाकर उनकी आकांक्षाओं को पूरा किया है। उनके भावनात्मक, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन ने विकास को गति दी है, मुद्रास्फीति को नियंत्रित किया है और भारत को विश्व स्तर पर उज्ज्वल बनाया है। उल्लेखनीय है कि पांच साल में करीब 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। लोगों ने हाल के विधानसभा चुनावों में अपने मतदान से प्रधानमंत्री के उच्च गुणवत्ता वाले प्रशासन के प्रति विश्वास व्यक्त किया है। यह भारतीय निर्माताओं के लिए एक मजबूत संदेश है। जब लोग चयन करते हैं - अपने मत से या अपने बटुए से - तो वे सर्वोत्तम गुणवत्ता चुनते हैं। याद रहे कि 'क्वालिटी इज फ्री' के लेखक फिलिप क्रॉस्बी ने एक बार कहा था: "यदि आप गुणवत्ता से बाहर हैं, तो आप व्यवसाय से बाहर हैं।"

नितिन गडकरी ने पंजाब में 4,000 करोड़ रुपये की 29 राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

• **जालंधर ब्रीज** . होशियारपुर

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने पंजाब को राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से विकास के पथ पर ले जाते हुए, पंजाब के होशियारपुर में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ 29 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश, पंजाब भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला सहित सांसद, विधायक और अधिकारी भी उपस्थित थे।

आज लोकार्पण और शिलान्यास की गई परियोजनाओं के कार्यान्वयन से बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, जिससे कार्यान्वयन क्षेत्र का समग्र आर्थिक विकास होगा और निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। यातायात की निर्बाध और मुक्त आवाजाही होगी जिससे माल परिवहन की दक्षता में भी सुधार होगा।

फगवाड़ा और होशियारपुर बाईपास सहित इस खंड के 4-लेन के निर्माण से फगवाड़ा और होशियारपुर के बीच 100 किलोमीटर प्रति घंटे की हाई-स्पीड कनेक्टिविटी मिलेगी और यात्रा का समय 1 घंटे से घटकर 30 मिनट हो जाएगा। फगवाड़ा और होशियारपुर बाईपास शहरी क्षेत्र में भीड़भाड़ को कम करेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग 44 (जीटी रोड) के माध्यम से होशियारपुर को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। लुधियाना में जीटी रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग 5 को जोड़ने वाले 4-लेन वाले लाडोवाल बाईपास के निर्माण से लुधियाना-फिरोजपुर राजमार्ग को दिल्ली-जालंधर राजमार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग 44) से सीधी कनेक्टिविटी प्राप्त होगी।

तलवंडी भाई से फिरोजपुर खंड और फिरोजपुर बाईपास के 4-लेन के निर्माण से कनेक्टिविटी में सुधार होगा। इन परियोजनाओं के निर्माण से देश के राजमार्गों पर सुरक्षा बढ़ेगी और आवाजाही तेज होगी। परियोजना क्षेत्रों में स्थित धार्मिक तीर्थ स्थलों और अंतरराज्यीय कनेक्टिविटी में सीधी वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के माध्यम से नितिन गडकरी ने सड़क कनेक्टिविटी के संदर्भ में अन्य नई परियोजनाओं की भी घोषणा की। इस घोषणा में 1600 करोड़ रुपये की लागत से जालंधर से पठानकोट मार्ग पर मुकेरियां, दसुइया और भोगपुर में 45 किलोमीटर के 4-लेन बाईपास और 800 करोड़ रुपये की लागत से टांडा से होशियारपुर तक 30 किलोमीटर के 4-लेन बाईपास का निर्माण शामिल है।

श्री गुरु नानक देवजी की शिक्षाओं से परे कुछ भी नहीं है : पीएम

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों के साथ बातचीत की। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय स्तर के प्रतिनिधियों सहित देशभर से हजारों विकसित भारत संकल्प यात्रा लाभार्थी सम्मिलित हुए।

पंजाब के गुरदासपुर के गुरविंदर सिंह बाजवा ने प्रधानमंत्री को बताया कि विकसित भारत यात्रा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कृषि क्षेत्र में सर्वोत्तम संभवित लाभ पाने के लिए किसान छोटे समूहों में संगठित हो गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि उनका किसानों का समूह हर प्रकार के दुष्प्रभाव से मुक्त खेती पर काम कर रहा है और इसके लिए उन्हें मशीनरी पर सब्सिडी भी मिली है। इससे छोटे किसानों को पराली प्रबंधन और मिट्टी के स्वास्थ्य में भी मदद मिली। बाजवा ने सरकार के सहयोग से गुरदासपुर में पराली जलाने की घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आने की जानकारी दी। क्षेत्र में एफपीओ संबंधी गतिविधियां भी चल रही हैं। कस्टम हायरिंग योजना से 50 किमी के दायरे में छोटे किसानों को मदद मिल रही है।

बजावा ने कहा, "अब किसान को लग रहा है कि उसे उचित समर्थन मिलेगा।" जब उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि 'मोदी है तो मुमकिन है' से बहुत उम्मीदें हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह इसलिए संभव है, क्योंकि किसान उनके अनुरोध को सुनते हैं।

प्रधानमंत्री ने टिकाऊ खेती के लिए अपना अनुरोध दोहराया। प्रधानमंत्री ने कहा, "हमें अपने गुरुओं की सलाह के अनुसार खेती करनी चाहिए और धरती मां की रक्षा करनी चाहिए। खेती के क्षेत्र में गुरु नानक देवजी की शिक्षाओं से परे कुछ भी नहीं है।" विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा, "हर अंतिम लाभार्थी के पास पहुंचने तक 'मोदी की गारंटी की गाड़ी' नहीं रुकेगी।"

20 हज़ार से ज़्यादा की भीड़ रही एक से श्रेष्ठ के 500 वें सेण्टर के शुभारंभ समारोह में

अनुराग ठाकुर की पहल "एक से श्रेष्ठ" के 500 वें सेण्टर का उपराष्ट्रपति ने किया शुभारंभ

• **जालंधर ब्रीज** . हिमाचल

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा उनके संसदीय क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में चलाए जा रहे शैक्षणिक कार्यक्रम 'एक से श्रेष्ठ' के 500 वें केंद्र का 20 हज़ार से भी ज़्यादा लोगों की उपस्थिति में भव्य शुभारंभ हुआ।इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर भारत के उपराष्ट्रपति माननीय जगदीप धनकड़ व प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी सुदेश धनकड़ की भी इस कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रही। एक से श्रेष्ठ के 500 वें सेण्टर के शुभारंभ के अवसर पर हिमाचल सरकार में कैबिनेट मंत्री राजेश धर्माणी जी, कई विधायक व पूर्व विधायक समेत कई गणमान्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने अपने संबोधन की शुरुआत 1990 के दशक में हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के साथ अपने सांसद काल को याद करते हुए किया। उन्होंने बताया कि प्रेम कुमार धूमल के ही अनुरोध पर धर्मशाला की पहली फ्लाइट का उद्घाटन उनके कर कमल से हुआ था। उपराष्ट्रपति ने बताया कि उस समय से लेकर आज तक प्रेम कुमार धूमल के परिवार से उनका रिश्ता जुड़ा हुआ है जिसे अनुराग सिंह ठाकुर ने और गहरा किया है। उपराष्ट्रपति ने बताया कि जब से वह उपराष्ट्रपति बने हैं तब से उनके संसद का एक भी सत्र ऐसा नहीं बिता जिसमें उन्होंने हिमाचल के विद्यार्थियों से मुलाकात नहीं की। उनके घर में सबसे ज्यादा टोपी हिमाचल से ही है।

माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आगे अनुराग सिंह ठाकुर की प्रशंसा करते हुए कहा कि अनुराग संस्कृत का शब्द है जिसका मतलब है प्रेम और भक्ति। यह हर्ष का विषय है कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में स्थानीय सांसद अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा यहाँ के छात्रों के चहुंमुखी विकास के लिए एक से श्रेष्ठ जैसा अनूठा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एक से श्रेष्ठ के 500 वें सेण्टर का शुभारंभ करना मेरे लिए हर्ष की बात है। लगातार चार बार संसद सदस्य बनना और अपने दायित्वों का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करना कोई आसान काम नहीं है। अनुराग ठाकुर का एक एक कार्य जनकल्याण हेतु 24 कैरेट सोना है। इसीलिए मैं कई अन्य सदस्यों से भी बोलता हूं कि वे सभी

भी अनुराग मॉडल ऑफ इंवॉल्वमेंट फॉर डेवलपमेंट को अपनाएं" आगे बोलते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा " हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में घूमने के दौरान मुझे पता चला कि अनुराग ठाकुर के कई अनूठे कार्यक्रम यहाँ बहुत लोकप्रिय हैं। सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा, खेल महाकुंभ, हुनर से शिखर जैसे कई कार्यक्रम ना सिर्फ़ यहाँ के सभी वर्गों को लाभान्वित कर रहे हैं बल्कि पूरे देश में एक मॉडल के रूप में अपनाए जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आगे बताया कि देश पिछले एक दशक में काफी प्रगति कर चुका है। "जो पिछले तीन दशकों में नहीं हो पाया उसे बीते सितंबर में नए संसद भवन के विशेष सत्र के दौरान किया गया। पूरे देश के विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देना ऐतिहासिक है। 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा, इसकी जिम्मेदारी आप सभी के कंधों पर है।"

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा "एक से श्रेष्ठ कार्यक्रम के 500वें केंद्र के लोकार्पण हेतु हिमचाल पधारने हेतु उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ जी का धन्यवाद। अनुराग सिंह ठाकुर जी सिर्फ एक सांसद हीं नहीं बल्कि एक बेहतरीन व्यक्तित्व हैं जिन्होंने अपने क्षेत्र को सजाने और संवारने का कार्य किया है। यह काफी सराहनीय है। इससे पहले ऊना जिले में भी अनुराग ठाकुर ने विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन कराया था और हजारों लोगों को निशुल्क चश्में वितृत किए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सदैव कहते हैं कि एक सांसद को सिर्फ नेता के रूप में नहीं बल्कि क्षेत्र में जनकल्याण और सेवा के कार्यों के लिए भी जाना जाना चाहिए। अनुराग ठाकुर ने इसका बेहतरीन अनुसरण किया है" अनुराग ठाकुर ने आगे आज के कार्यक्रम 'एक से श्रेष्ठ' के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बताया, " हमारा संकल्प, हमारा प्रयास-सबको शिक्षा, सबका विकास के ध्येय वाक्य से एक से श्रेष्ठ कार्यक्रम शिक्षा के समग्र विकास में हमारी एक पहल है। कई बार ये नाम सुनके लोग चौंक जाते हैं कि भला ये क्या बला है। मैं बताना चाहूँगा कि श्रेष्ठता एक माध्यम है मोटिवेशन का श्रेष्ठता एक अनुभव है बदलाव का, श्रेष्ठता एक मंच है उत्तमता का और हम अपने एक से श्रेष्ठ सेण्टरों हमारे होनहारों को, भविष्य के कर्णधारों को, नये भारत के खेवनहारों को इसी मूलमंत्र के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत संकल्प की सिद्धि के लिए 360 डिग्री ट्रेनिंग देते हैं। मैं इस भव्य आयोजन में अपना अमूल्य समय देने के के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल, हिमाचल सरकार में मंत्री राजेश धर्माणी व अन्य सभी का आभार प्रकट करता हूँ"

अनुराग ठाकुर ने बताया, "किसी भी आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले प्रत्येक बच्चे के लिए शिक्षा जन्मसिद्ध अधिकार है और इस अधिकार की पूर्ति के लिए 'एक से श्रेष्ठ' कार्यक्रम शुरू किया गया था। "एक से श्रेष्ठ" जीवन के सभी क्षेत्रों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने और समग्र विकास प्रदान करने की एक पहल है। एक से श्रेष्ठ का उद्देश्य पंचायत स्तर पर उसके आसपास के क्षेत्र के शिक्षकों के माध्यम से, किसी भी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि को छोड़कर, बच्चों के समग्र विकास के लिए स्कूल के घंटों के बाद कक्षाएं निःशुल्क सुनिश्चित करना है। पारंपरिक गुरुकुल शिक्षा से प्रेरित होकर, जहां विभिन्न आयु समूहों और पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए एक सामान्य शिक्षण स्थान विकसित किया गया है।एक से श्रेष्ठ के साथ, मिशन कोने-कोने तक पहुंचना और शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करना है!"

भारतीय कृषि का "ड्रोन क्षण"

पंजाब के हरे-भरे खेतों की हरियाली से गुजरते हुए, मेरा ध्यान कहीं दूर गूंजती एक आवाज ने आकर्षित किया। स्वाभाविक मानवीय जिज्ञासा हुई कि इस आवाज का स्रोत क्या है। उतरते ही मेरा स्वागत दो किसानों ने किया। वे ड्रोन के जरिए नैनो यूरिया का छिड़काव कर रहे थे। देश के एक ग्रामीण क्षेत्र में किसानों द्वारा एक नई तकनीक को इतने उत्साहपूर्वक स्वीकार किए जाने को देखकर मुझे सुखद अनुभूति हुई। मुझे लगा कि यह भारत के कृषि क्षेत्र के लिए वह 'ड्रोन क्षण' था, जिसने हमारे देश में 'ड्रोन आंदोलन' की शुरुआत की। किसानों ने मुझे बताया कि उन्हें कृषि-ड्रोन के बारे में जानकारी उनके गांव में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के दौरान मिली और यह नई तकनीक उनके खेतों में सबसे कुशल तरीके से तरल उर्वरकों और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए बेहद उपयोगी है।

भारतीय कृषि ने पहले ही पारंपरिक रूप से बैलगाड़ी आधारित होने से ट्रैक्टर आधारित होने तक का सफर तय किया है। मैं अब कृषि कार्यों में ड्रोन के उपयोग को कृषि क्रांति की तीसरी लहर के रूप में देख रहा हूं। कृषि-ड्रोन तकनीक हमारी कृषि पद्धतियों को आधुनिक बनाने और बदलने में एक वास्तविक सफलता साबित हो रही है। हैंड पंपों के माध्यम से कीटनाशकों और तरल उर्वरकों के थकाऊ और समय लेने वाले हाथ से छिड़काव के दिन चले गए। अब इसकी जगह ड्रोन के माध्यम से छिड़काव की अधिक कुशल और उत्पादक तकनीक ले रही है। कृषि क्षेत्र की दक्षता और उत्पादकता में सुधार के लिए कृषि पद्धतियों का आधुनिकीकरण आवश्यक और अपरिहार्य है ताकि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, जो कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत का एक महत्वपूर्ण तत्व है। 1960 के दशक की हरित क्रांति में नए कृषि उपकरण, एचवाईवी (उच्च उत्पादकता किस्में) बीज, कीटनाशक और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग की शुरुआत देखी गई। पिछले कुछ वर्षों में हमारे पर्यावरण, मिट्टी के स्वास्थ्य और मिट्टी की उर्वरता की दीर्घकालिक स्थिरता बनाए रखने के लिए, उर्वरकों के अधिक संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता महसूस की गई। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसका आह्वान 2019 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से किया। इससे प्रेरित होकर सरकार ने जैव, नैनो और जैविक उर्वरक जैसे वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए पीएम प्रणाम और गोबरधन जैसी कई पहल शुरू की हैं। इन नई पहलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और किसानों को एक ही छत के नीचे एकीकृत समाधान प्रदान करने के लिए प्रधान मंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) की स्थापना की गई है।

जालंधर ब्रीज

डॉ मनसुख मांडविया

(केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री)

स्वदेशी रूप से विकसित नैनो उर्वरक बेहतर हैं क्योंकि वे पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों का पर्यावरण-अनुकूल और प्रभावी विकल्प प्रदान करते हैं। अब पारंपरिक यूरिया की 45 किलोग्राम की बोरी की जगह नैनो यूरिया की आधा लीटर की बोतल ने ले ली है। इससे मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और फसल की उपज में सुधार करने में सहायता मिल रही है। भारत के युवा और गतिशील स्टार्टअप्स द्वारा किसान ड्रोन का विकास तरल उर्वरकों के इस्तेमाल के लिए एक प्रभावी और कुशल तकनीक प्रदान करता है। मिनटों में एक एकड़ कृषि भूमि पर छिड़काव करने की क्षमता अपने खेतों में घंटों मेहनत करने वाले किसानों के लिए वरदान साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का लक्ष्य महिलाओं को सशक्त बनाना और देश के विकास में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाना है। उन्होंने 30 नवंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा में लाभार्थियों के साथ बातचीत के दौरान नमो ड्रोन दीदी का प्रारंभ स्वयं किया। इसका उद्देश्य आसान वित्तीय समाधान प्रदान करके कृषि उद्देश्यों के लिए किसानों को किराये पर ड्रोन उपलब्ध कराना है। इसके लिए नमो ड्रोन दीदी के तहत 15,000 चुनिंदा महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को ड्रोन प्रदान किया जा रहा है। यह अनूठी पहल न केवल किसानों को तरल उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए ड्रोन आसानी से उपलब्ध कराएगी, बल्कि महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण समृद्धि में भी योगदान देगी। यह भारत के ड्रोन वैमानिकी को बढ़ावा देगा और ड्रोन निर्माण स्टार्टअप को विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने में मदद करेगा। यह देश के दूरदराज के इलाकों में ड्रोन पायलटों और ड्रोन मैकेनिकों के लिए रोजगार उद्यम बनाकर महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएगा और साथ ही ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा।

पंजाब विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने लड़कियों के सशक्तिकरण पर दिया जोर

गांव घुडका में लड़कियों की लोहड़ी मनाई

एनआरआई मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल, राजस्व मंत्री ब्रह्म शंकर जिम्पा भी शामिल हुए

• **जालंधर ब्रीज.** गोराया/फिल्लौर

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह सधवां ने गुरूवार को लड़कियों के सशक्तिकरण पर जोर दिया और माता-पिता से कहा कि वे अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाएं ताकि वह पढ़-लिखकर आत्मनिर्भर बनें और देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में बराबरी की भूमिका निभा सके। एक संस्था द्वारा गांव घुडका में 5101 लड़कियों की लोहड़ी मनाने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए विधान सभा स्पीकर ने कहा कि किसी भी देश और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए लड़कियों को शिक्षित और सशक्त बनाना समय की मुख्य जरूरत है। महिलाओं को उचित सम्मान देने का न्योता देते हुए श्री सधवां ने कहा कि हमारे गुरुओं ने भी हमें महिलाओं का सम्मान करने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है, चाहे वह शिक्षा, खेल, राजनीति या अन्य कोई क्षेत्र हो, बल्कि वह हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ बराबरी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि पंजाब विधानसभा में 12 महिला विधायक चुनी गई है।

विधानसभा स्पीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार सभी वर्गों के कल्याण और विकास के लिए वचनबद्ध है और सरकार महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने माताओं को अपने बच्चों को मातृभाषा से जोड़े रखने के लिए भी प्रेरित किया। इसके बाद पंजाब के एन.आर.आई मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल और वित्त मंत्री ब्रह्म शंकर जिम्पा ने कहा कि पंजाब सरकार का उद्देश्य लड़कियों को बढिया शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान कर सशक्त बनाना है, जिसके लिए सरकार लगातार गंभीर प्रयास कर रही है।

इस मौके पर एनआरआई मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल, ने एन.जी.ओ.को विवेकाधीन कोष से 5 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। पंजाब विधान सभा स्पीकर कुलतार सिंह सधवां, एन.आर.आई मामलो के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल और राजस्व मंत्री ब्रह्म शंकर जिम्पा ने 11 लडकियों को भी सम्मानित किया। इस मौके पर विधायक शीतल अंगुराल, पंजाब एग्रो के चेयरमैन मंगल सिंह, एस.डी.एम. अमनपाल सिंह, आप नेता जोगिंदर सिंह मान, प्रिं. प्रेम कुमार, दीपक बाली आदि भी मौजूद रहे।

अग्निवीर वायु भर्ती की चुनाव परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदनों की मांग

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो के डिप्टी डायरैक्टर गुरमेल सिंह ने आज बताया कि भारतीय वायु सेना, अंबाला यूनिट द्वारा अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु-2025 इनटेक के लिए लड़के एवं लड़कियों की भर्ती की जानी है, जिसकी चुनाव परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदनों की मांग की गई है। डिप्टी डायरैक्टर ने बताया कि उक्त भर्ती के लिए आनलाइन फार्म 17 जनवरी 2024 को सुबह 11 बजे से 06 फरवरी 2024 को रात 11 बजे तक भरे जा सकते है। उन्होंने बताया कि इच्छुक युवक-युवतियां वेब पोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। उन्होंने आगे बताया कि भारतीय वायुसेना में शामिल होने के इच्छुक लड़के-लड़कियों का जन्म 02 जनवरी 2004 से 02 जुलाई 2007 (दोनों तिथियां) में होना चाहिए। केवल अविवाहित लड़के-लड़कियां ही आवेदन कर सकते है। उन्होंने कहा कि आवेदकों की शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट/10+2 या केंद्र, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश से गणित, फिजीक्स और अंग्रेजी के साथ के साथ केंद्र स्टेट और केंद्रशासित प्रदेश से मान्यता प्राप्त बोर्ड से कम से कम 50% फीसदी के साथ पास हो अंग्रेजी में कम से कम 50% अंक प्राप्त किए हो,और तीन साल इंजीनियरिंग (मकैनिकल,इलैक्ट्रीकल, इलैक्ट्रोनिक्स, आटो मोबाईल, कप्यूटर साईंस,इंस्ट्रूमैंटेशन टैक्नालाजी, इनफोरमेशन टैक्नालाजी का केंद्र स्टेट या यू.टी. से मान्यता प्राप्त पालिटैक्निक संस्थान से डिप्लोमा 50% अंकों और इग्लिश में कम से कम 50 फीसदी अंको के साथ पास किया हो। उन्होंने बताया कि बिना साईंस विषय वाले उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते है।

डिप्टी कमिश्नर ने गांवों का दौरा कर सुनी लोगों की समस्याएं

किसानों से पराली प्रबंधन के लिए अपनाए जा रहे उपाय व पिछले सीजन के दौरान आई मुश्किलों के योग्य हल के लिए की बातचीत

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने उप मंडल टांडा व दसूहा के गांवों गांव तलवंडी डड्डियां, बहादुरपुर, प्रेमपुर, जलालपुर, भूलपुर व दसूहा के गांव चक्क बामू का दौरा कर जहां लोगों की शिकायतों को सुना वहीं वर्ष 2024 में आने वाले धान सीजन के दौरान पराली वेस्ट के प्रबंधन के लिए गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत कर उनकी ओर से पराली प्रबंधन के लिए अपनाए जा रहे उपाय व पिछले सीजन के दौरान आई मुश्किलों के योग्य हल के लिए बातचीत भी की। इस मौके पर उनके साथ एस.डी.एम दसूहा प्रदीप सिंह बैंस व अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

डिप्टी कमिश्नर ने इस दौरान योग्य व्यक्तियों को एस.जी.पी.सी चुनावों में अपना नाम रजिस्टर करवाने के लिए अपील की। उन्होंने योग्य व्यक्तियों को बताया कि एस.जी.पी.सी चुनावों के अंतर्गत वोटों की रजिस्ट्रेशन का कार्य 29 फरवरी तक किया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि फील्ड में पूरी सरगर्मी के साथ काम करते हुए वोटर रजिस्ट्रेशन को बढ़ाया जाए।

1616 लोगों ने एप पर अपलोड किए बिल

गुड्ज एवं सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) विभाग की ओर से लोगों को वस्तुओं की खरीद के बाद बिल लेने के लिए उत्साहित करने के उद्देश्य से 'बिल लाओ- ईनाम पाओ' स्कीम के अंतर्गत जिला होशियारपुर में सितंबर 2023 से दिसंबर 2023 तक कुल 1616 बिल लोगों की ओर से स्वंय अपलोड किए गए हैं। जिनकी वैरिफिकेशन उप कमिश्नर स्टेट टैक्स जालंधर मंडल शालीन वालिया के नेतृत्व में सहायक कमिश्नर स्टेट टैक्स होशियारपुर के अधिकारियों की ओर से की जा रही है।

पंजाब की हाकी टीमें नैशनल चैंपियन बनी

लड़कों की टीम ने उत्तर प्रदेश को 2-0 से और लड़कियों की टीम ने मध्य प्रदेश को 2-0 से हराया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

67वीं नैशनल स्कूल गेम्स हाकी के आखिरी दिन आज पंजाब की हाकी टीमों ने ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में जीत हासिल कर नैशनल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इससे पहले आज जालंधर से सांसद सुशील कुमार रिंकू और अर्जुन पुरस्कार विजेता ओलंपियन सुरिंदर सिंह सोढ़ी ने विशेष अतिथि के तौर पर भाग लिया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें खेल भावना बरकरार रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी (सेकेंडरी शिक्षा) स्टेट अवार्डी राजीव जोशी ने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के दौरान जिले से देशभर के विभिन्न राज्यों से 50 लडके एवं लडकियों की हाकी टीमों के लगभग 950 खिलाड़ियों एवं अधिकारिक सदस्यों ने भाग लिया। डी.एम.स्पोर्टस इकबाल सिंह रंधावा ने बताया कि सभी टीमों के लीग मैच, प्री-क्वार्टर, क्वार्टर फाइनल और फाइनल मैच जिले के सुरजीत हाकी स्टेडियम, बीएसएफ हाकी ग्राउंड, पीएपी हाकी ग्राउंड और खालसा कॉलेज हाकी ग्राउंड में सफलतापूर्वक करवाए गए। जिला शिक्षा अधिकारी (सेकेंडरी शिक्षा) डा. कुलतरनजीत सिंह ने समारोह में पहुंचने पर मुख्य अतिथि सांसद सुशील कुमार रिंकू और ओलंपियन सुरिंदर सिंह सोढ़ी का विशेष रूप से धन्यवाद किया। आज लड़कियों के फाइनल मैच में खिलाड़ी मनप्रीत कौर और पवनप्रीत कौर के गोल के कारण पंजाब ने मध्य प्रदेश को 2-0 से हरा दिया। लडकियों के फाइनल मुकाबले में पंजाब की टीम ने उत्तर प्रदेश को 2-0 से हराया। दोनों गोल हरमोलबीर सिंह ने किए।

इसके अलावा ओडिशा की लड़कियों की टीम ने महाराष्ट्र को 2-1 से और हरियाणा की लड़कों की टीम ने ओडिशा को 4-2 से हराकर टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। फाइनल मुकाबलों के दौरान उप जिला शिक्षा अधिकारी (एलीमैंट्री शिक्षा) मुनीष कुमार, प्रिंसिपल भूपिंदर पाल सिंह, हरमेश लाल घेडा, चंद्र शेखर, राजिंदर पाल सिंह, अनिल कुमार अवस्थी, तजिंदर सिंह, नवतेज सिंह बल्ल, शशि कुमार, दिनेश कुमार, हेडमास्टर हरबिंदर पाल, रमन कुमार पी.टी.आई., डी.पी.ई. विक्रम मल्होत्रा, विकास चड्ढा और हरजीत सिंह मौजूद थे। मंच सचिव की भूमिका बलजीत कौर बल्ल व रोहित सैनी ने निभाई।

पशु पालन विभाग द्वारा पशुधन को ठंड से बचाने के लिए एडवायज़री जारी

हाइपोथर्मीया से बचाने के लिए पशुओं को कवरड शैड्डों में रखने और पौष्टिक फीड देने की सलाह

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के पशु पालन, डेयरी विकास और मछली पालन मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां के दिशा-निर्देशों पर पशु पालन विभाग द्वारा पशुधन को ठंड के मौसम के दौरान चलने वाली तेज हवाओं, जो पशुओं के लिए ख़तरनाक साबित हो सकती हैं, से बचाने के लिए एडवायज़री जारी की गई है क्योंकि ठंड में पशुओं के बीमार होने से पशु पालकों को आर्थिक और अन्य समस्याएँ आ सकतीं हैं। इस एडवायज़री में सुझाव दिया गया है कि ज़्यादा ठंड के दौरान पशुओं की सुरक्षा के लिए अकेले साधारण शेल्टर इतने प्रभावशाली नहीं होते, इसलिए पशु पालकों को पशुओं के शैड्डों में पटसन के थैलों से बनीं 'पल्लियों' का प्रयोग करने की सलाह दी गई है। बहुत ज़्यादा ठंड के दौरान जानवरों को घर के अंदर रखा जाये और उनकी समय- समय पर निगरानी की जाये।

शैड्डों के नीचे तापमान की निगरानी की जाये और ज़रूरत पड़ने पर हीटरों का प्रयोग किया जाये। अमोनिया के प्रभाव से बचने के लिए पशुओं के नीचे जगह को सुखा और साफ़ रखा जाये। पशुओं के शरीर का तापमान आम की अपेक्षा कम होने पर हाइपोथर्मीया होने का ख़तरा होता है। आम तौर पर पशुओं के शरीर का तापमान 30°- 32° सैल्सियस (86° फारनहीट- 89° फारनहीट) होने पर धीमा हाइपोथर्मीया, 22° सैल्सियस - 29° सैल्सियस (71° फारनहीट - 85° फारनहीट) पर मौडरेटिड हाइपोथर्मीया और 20° सैल्सियस (68° फारनहीट) पर गंभीर हाइपोथर्मीया होने की संभावना होती है। गायों और अन्य गौवंश वॉर्मिंग और गर्म तरल पदार्थों के प्रयोग के बिना आम तापमान पर नहीं आ सकते।

ठेका आधारित ड्राइवरों और कंडक्टरों को रेगुलर करने के लिए सरकार वचनबद्ध : लालजीत सिंह भुल्लर

सचिव परिवहन को तरक्कियों और तरस के आधार पर रहती नियुक्तियों सम्बन्धी कार्यवाही तेज़ करने की हिदायत

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के परिवहन मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर ने आज कहा कि पंजाब रोडेवज़/पनबस के ठेका आधारित ड्राइवरों और कंडक्टरों को रेगुलर करने के लिए सरकार वचनबद्ध है। परिवहन मंत्री ने यह भरोसा पंजाब सिवल सचिवालय स्थित अपने दफ़्तर में पंजाब रोडवेज़/पनबस स्टेट ट्रांसपोर्ट वर्करज़ यूनियन और पंजाब गवर्नमैंट ट्रांसपोर्ट वर्करज़ यूनियन के मुलाज़िमों के साथ मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये दिया। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पंजाब रोडेवज़/पनबस में ठेका आधारित ड्राइवरों और कंडक्टरों को रेगुलर करने सम्बन्धी केस मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा गठित की गई तीन सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी द्वारा हमदर्दी से विचारा जा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने सचिव परिवहन दिलराज सिंह संधावालीया को कहा कि विभाग में विभिन्न तरक्कियों सम्बन्धी मामलों में कार्यवाही तेज़ की जाये। उन्होंने यह भी आदेश दिए कि पंजाब रोडवेज़/पनबस में तरस के आधार पर रहती नियुक्तियों सम्बन्धी कार्यवाही में तेज़ी लाई जाये ताकि मृत मुलाजिमों के वारिसों को परेशान ना होना पड़े। उन्होंने कहा कि मृत मुलाज़िम के परिवार का भविष्य सुरक्षित रखना सरकार का प्राथमिक फ़र्ज़ है और इस मुद्दे पर विभाग हमदर्दी से फ़ैसला ले।

परिवहन मंत्री ने अधिकारियों को हिदायत की कि सरकारी बसों की पासिंग सम्बन्धी प्रक्रिया में देरी न की जाये। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वह निजी तौर पर दौरे करके ग़ैर-कानूनी ढंग से चल रही बसों के बारे जानें और तुरंत रिपोर्ट दें। उन्होंने कहा कि बसों के टाईम-टेबल सम्बन्धी आ रही शिकायतों को भी तुरंत दूर किया जाये।

लोगों को आरटीओ दफ्तर में नहीं होगी कोई परेशानी : आदित्य गुप्ता

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डाइविंग लाइसैंस, आर.सी. आदि की पेंडेंसी दूर करने के लिए रीजन ट्रांसपोर्ट दफ्तर में बडे स्तर पर काम किया जा रहा है, ताकि लोगों को सेवाएं लेने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस संबंधी जानकारी देते हुए आर.टी.ओ जालंधर आदित्य गुप्ता ने कहा कि उन्होंने दफ्तर के कर्मचारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपते हुए आदेश जारी किए है ताकि पेंडेंसी को जल्द से जल्द खत्म किया जा सके।

गुप्ता ने कहा कि 6 दिसंबर, 2023 को कार्यभार संभालने के बाद से दफ्तर ने 5330 ड्राइविंग लाइसैंस जारी किए है और 3964 आर.सी. मंजूर की गई है। इसके अलावा इस अवधि दौरान 241829106 रुपये मोटर व्हीकल के तौर पर वसूले गए है, जिसमें परमिट फीस,रजिस्ट्रेशन फीस, फिटनेस फीस आदि शामिल है।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में 777 कर्मशीयल वाहनों को फिटनेस एवं पासिंग मंजूर की गई तथा 1329 चालान कर 2161000 रूपये का राजस्व प्राप्त किया गया। आर.टी.ओ. ने कहा कि दफ्तर के अधिकारियों/कर्मचारियों को लोगों के लंबित आवेदनों को जल्द से जल्द निपटाने के आदेश जारी किए जा चुके है। उन्होंने कहा कि लोगों को लाइसैंस बनवाने या आर.टी.ओ. दफ्तर से जुड़े काम निपटाने में कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ-साथ डेयरी व्यवसाय भी अपनाना चाहिए : दविंदर सिंह

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत ब्लॉक जालंधर पश्चिम में जागरूकता स सैमीनार करवाया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डेयरी विकास विभाग, जालंधर ने आज ब्लॉक जालंधर पश्चिम में राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत ब्लॉक स्तरीय सैमीनार का आयोजन किया, जिसमें गांव पत्तड कलां और आसपास के गांवों के 250 से अधिक किसानों ने भाग लिया और दूध उत्पादन के क्षेत्र में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। डिप्टी डायरेक्टर डेयरी विकास दविंदर सिंह ने किसानों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब सरकार किसानों की आय बढ़ाने को विशेष प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडिडयां और डेयरी विकास विभाग के डायरेक्टर कुलदीप सिंह के नेतृत्व में डेयरी विकास विभाग किसानों को कृषि के साथ-साथ डेयरी व्यवसाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत किसानों को उच्च तकनीक मशीनरी, चारा प्रबंधन, साइलेज बेलर और रैपर मशीन और टीएमआर जैसी आदि पर मिलने वाली रियायतों का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने किसानों को विभागीय योजनाओं की गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर जरनैल सिंह, चरणजीत सिंह, संतोख सिंह, चमकौर सिंह (स्वयं खेती), रोहित गुप्ता कृषि विज्ञान केंद्र, शुभवंत कौर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भारत ने अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया

टी20 सीरीज : टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे

मोहाली. भारतीय टीम ने पहले टी-20 इंटरनेशनल में अफगानिस्तान पर छह विकेट की जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 158 रन बनाए थे। जवाब में मेजबानों ने 15 गेंद पहले चार विकेट खोकर ही लक्ष्य साध लिया।

भारत की जीत में ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अपने करियर का सर्वोच्च स्कोर बनाया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 38 गेंद में फिफ्टी पूरी करते हुए नाबाद 60 रन बनाए और गेंदबाजी में उन्होंने एक विकेट भी लिया था। नौ गेंद में 16 रन बनाकर रिंकू सिंह भी नाबाद रहे। इससे पहले जितेश शर्मा 20 गेंद में 31 रन की प्रभावी पारी खेली। अब सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार को इंदौर में होना है। अगर टीम इंडिया इसे जीत जाती है तो सीरीज में 2-0 की अजेय लीड हासिल कर लेगी। दोनों हाथों से मौका का फायदा उठाने की

फोटो- बीसीसीआई

बात आज शिवम दुबे पर एकदम फिट बैठी। 2019 में इंटरनेशनल डेब्यू करने के बावजूद अबतक टीम में अपनी जगह पक्की करने में नाकामयाब रहे शिवम ने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल दिखाया। पहले दो ओवर में नौ रन देकर एक विकेट चटकाया तो फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पांच चौके और दो छक्के की मदद से 60 रन बनाए। शिवम दुबे की वापसी में आईपीएल की अहम भूमिका है। वह एमएस धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलते हैं।

इससे पहले अनुभवी मोहम्मद नबी और युवा अजमतुल्लाह ओमरजई के बीच 43 गेंद में 68 रन की साझेदारी से अफगानिस्तान ने पांच विकेट खोकर 158 रन बनाए थे। भारत के पावरप्ले में दबदबे के बाद नबी (27 गेंद में 42 रन) और ओमरजई (22 गेंद में 29 रन) ने चौथे विकेट के लिए साझेदारी निभाकर अपनी टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने पीसीए स्टेडियम में शीतलहर के बीच 10 ओवर में अफगानिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 57 रन कर दिया था।

पंजाब विधान सभा स्पीकर गणतंत्र दिवस के मौके पर रूपनगर में लहराएंगे राष्ट्रीय झंडा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विधान सभा स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी, 2024 को रूपनगर में राष्ट्रीय झंडा लहराएंगे।

पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुये बताया कि पहले जारी प्रोग्राम में से तबदीली अनुसार पंजाब विधान सभा स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां, गणतंत्र दिवस के मौके पर बठिंडा की जगह अब रूपनगर में राष्ट्रीय झंडा लहराने की रस्म अदा करेंगे।

प्रवक्ता के अनुसार संशोधित प्रोग्राम के अनुसार ऊर्जा और लोक निर्माण मंत्री पंजाब स. हरभजन सिंह ई. टी. ओ. रूपनगर की जगह अब बठिंडा में राष्ट्रीय झंडा लहराएंगे।

संगरूर जिले में 4.62 करोड़ की लागत से बनी 14 नई अत्याधुनिक लाइब्रेरियां लोगों को की समर्पित

वार हीरोज़ स्टेडियम में वेट लिफ्टिंग सैंटर और एस्ट्रो टर्फ का किया उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.** संगरूर

राज्य में अत्याधुनिक लाइब्रेरियां स्थापित करने सम्बन्धी अपनी मुहिम को जारी रखते हुये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज संगरूर जिले में 4.62 करोड़ की लागत से बनी 14 नयी अत्याधुनिक लाइब्रेरियां लोगों को समर्पित की। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह लाइब्रेरियां राज्य के विकास और खुशहाली के केंद्र के तौर पर काम करेंगी और कहा कि इस पहलकदमी का उद्देश्य राज्य के नौजवानों में पढ़ने की आदत पैदा करना है। उन्होंने कहा कि यह कदम नौजवानों के सशक्तिकरण और उनको राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में बराबर के हिस्सेदार बनाने में अहम साबित होगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने वार हीरोज़ स्टेडियम में 14 लाख रूपये की लागत से तैयार वेट लिफ्टिंग सैंटर और 92 लाख से तैयार एस्ट्रो टर्फ लोगों को समर्पित किये। इस मौके पर उन्होंने संबोधन करते हुये कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य में खेल को प्रफुल्लित करने पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे नौजवानों की असीमित ऊर्जा सही दिशा की तरफ लग रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने पहली बार खिलाड़ियों को खेल की तैयारी के लिए फंड दिए हैं जिससे वह खेल मुकाबलों में जीत हासिल कर सकें।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.